सच का खाता कितना ज़मा किया
पुण्य आत्मा बनना तो पाप नही करना
अपना पोता मेल जरूर देखना
ऊँच पद पाना तो ज़रा भी कुदृष्टि न हो
बाप की श्रीमत पर पूरा चलते रहो
विनाशी धन को आलौकिक सेवा में लगाओ
अविनाशी धन का भी दान करो
अपनी अवस्था कैसी रही दिन भर चेक करना
किसी को दुःख तो नही दिया
व्यर्थ बातों का स्टॉक समाप्त करो
खुशी की बातों का स्टॉक ज़मा करो
जहाँ है व्यर्थ वहां बाप नही, पाप होता
स्मृति का स्विच ऑन रखना
तो मूड ऑफ नही हो सकता

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!